“पिताश्री ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति निमित्त विशेष होमवर्क”

(जनवरी 2023)

प्राणप्यारे अव्यक्तमूर्त मात-पिता बापदादा के अति स्नेही, सदा तीव्र पुरुषार्थ की उड़ान भरने वाले, बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति बनाने के पुरुषार्थ में तत्पर सभी निमित्त टीचर्स बहिनें तथा देश विदेश के सर्व दैवी परिवार प्रति,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - हम सभी अपने अति प्रिय पिताश्री ब्रह्मा बाबा की दिव्य स्मृतियों में प्रतिवर्ष विशेष जनवरी मास में अन्तर्मुखी बन अव्यक्त स्थिति द्वारा अव्यक्त वतन की सैर करते हैं। सभी के अन्दर यही लक्ष्य रहता है कि हमें ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न व सम्पूर्ण बनने के लिए उनके फुटस्टेप (पद-चिन्हों) पर चलना है। फालो फादर करना है।

इस बार 2023 नये वर्ष के जनवरी मास में 5 रविवार हैं। अभी जो अव्यक्त महावाक्य रिवाइज कोर्स के हम सभी सुन रहे हैं, यह 1993 में अव्यक्त वर्ष मनाने के सम्बन्ध में विशेष बापदादा ने उच्चारित किये हैं। यदि इन महावाक्यों को हम ध्यान से पढ़ेंगे, सुनेंगे तथा अभ्यास में लायेंगे तो बहुत ही सहज हम अपनी अव्यक्त स्थिति बना सकेंगे।

इसी लक्ष्य से पांचों मुरलियों से 7-7 दिन के लिए होमवर्क बनाया गया है। प्रति सप्ताह के लिए 7 स्वमान, 7 चिंतन की प्वाइंट्स तथा 7 अलग-अलग विधियों से योग अभ्यास करने की प्वाइंट्स लिख रहे हैं। अमृतवेले से लेकर रात को सोने तक सभी उसी एक स्वमान में रहने का अभ्यास करे, सभी एक जैसा चिंतन करें तथा एक ही संकल्प के साथ योग अभ्यास करें तो इतनी सब पवित्र आत्माओं के संगठित रूप के अभ्यास से शक्तिशाली वायब्रेशन विश्व परिवर्तन के कार्य में तीव्रता लायेंगे तथा परमात्म प्रत्यक्षता के नगाड़े बजने लगेंगे।

अत: टीचर्स बहिनें सभी भाई बहिनों को इस होमवर्क पर विशेष अटेन्शन दिलाकर अपने-अपने क्लास में अभ्यास करना और कराना जी। इसके साथ पांचों मुरलियों पर अलग-अलग भाई बहिनों के अनुभव की ऑडियो रिकार्डिंग भी आपके पास भेजी जायेगी, उसे भी क्लास में अवश्य सुनायें।

01 जनवरी 2023 से 04 फरवरी 2023 - पांच सप्ताह का होमवर्क

01 जनवरी 2023 रविवार ओरिज्नल महावाक्य 26-03-93

पहला सप्ताह

01 जनवरी 2023

स्वमान - मैं विदेही आत्मा हूँ।

चिन्तन - देह में रहते विदेही स्थिति कैसे बनायें? उसके अनुभव क्या हैं?

योगाभ्यास - मैं देह से न्यारी विदेही आत्मा हूँ.... देह के लगाव व सर्व आकर्षणों से मुक्त बन सर्व गुणों से सम्पन्न बनती जा रही हूँ...। इस अभ्यास से देह और देही का अलग-अलग अनुभव करें।

02 जनवरी 2023

स्वमान - मैं डबल लाइट फरिश्ता हूँ।

चिन्तन - आकारी फरिश्ता स्थिति कैसे बन सकती है? इस स्थिति का अनुभव क्या है?

योगाभ्यास - मैं आत्मा लाइट के आकारी कार्ब में देह के भान से परे सूक्ष्मवतन में फरिश्ता बन लाइट माइट की किरणें फैला रही हूँ....।

03 जनवरी 2023

स्वमान - मैं निराकारी आत्मा हूँ।

चिन्तन - अनादि निराकारी स्वरूप की अनुभूति क्या है? इस अभ्यास से क्या प्राप्तियां हैं?

योगाभ्यास - मैं निराकारी आत्मा परमधाम में ओरिज्नल स्वरूप में शान्त, शुद्ध, पवित्र चमकता हुआ दिव्य सितारा हूँ, इस स्वरूप में स्थित हो मास्टर ज्ञान सूर्य स्थिति का अनुभव करें...।

04 जनवरी 2023

स्वमान - मैं सम्पूर्ण निरहंकारी आत्मा हूँ।

चिन्तन - निरहंकारी बनने में सूक्ष्म बाधायें क्या-क्या हैं? निरहंकारी आत्मा की निशानियां क्या होंगी?

योगाभ्यास - देहभान से मुक्त मैं ब्रह्मा बाप समान निरहंकारी हूँ। ''मैं'' की जगह मैं आत्मा और ''मेरा'' की जगह मेरा बाबा, इस स्थिति में स्थित हो लवलीन हो जायें।

05 जनवरी 2023

स्वमान - मैं रूहानी वायब्रेशन्स फैलाने वाली आत्मा हूँ।

चिन्तन - वृत्ति से वायब्रेशन्स कैसे फैला सकते हैं?

योगाभ्यास - व्यर्थ के वायब्रेशन्स से परे समर्थ स्थिति में स्थित हो, मास्टर ज्ञानसूर्य बन अपनी पॉवरफुल वृत्ति, रूहानी वायब्रेशन्स द्वारा वायुमण्डल को सतोप्रधान बनाने का अभ्यास करें।

06 जनवरी 2023

स्वमान - मैं महान आत्मा हूँ।

चिन्तन - हम महान कैसे बनें? महान आत्माओं के लक्षण क्या होंगे?

योगाभ्यास - मास्टर विश्व निर्माता बन सदा निर्माण का कार्य करने वाली मैं महान आत्मा, मास्टर सुखदाता हूँ.. मेरे द्वारा सुख की किरणें चारों ओर फैल रही हैं.....।

07 जनवरी 2023

स्वमान - मैं चैतन्य मूर्ति हूँ।

चिन्तन - मुझ चैतन्य मूर्ति का कर्तव्य क्या है? इस स्थिति में रहने से किस प्रकार की सेवा होती है?

योगाभ्यास - मैं चैतन्य मूर्ति आत्मा शरीर रूपी मन्दिर में विराजमान हो सर्व की मनोकामनायें पूर्ण कर रही हूँ। अनेक भक्त आत्मायें मेरे दर्शन से प्रसन्न हो रही हैं... भक्तों की लम्बी लाइन सामने है...।

08-01-23 रविवार ओरिज्नल महावाक्य 23-04-93
होमवर्क - दूसरा सप्ताह

08 जनवरी 2023

स्वमान - मैं शुभभावना, शुभकामना सम्पन्न आत्मा हूँ।
चिन्तन - सदा शुभभावना, शुभकामना कैसे रखें?
योगाभ्यास - मैं शुभ चिन्तक मास्टर क्षमा का सागर अपने शुभ संकल्पों की किरणों द्वारा विश्व के चारों तरफ शुभभावना, शुभकामना की किरणें फैला रही हूँ....। अनेक आत्मायें सुख-शान्ति सम्पन्न बन रही हैं।

09 जनवरी 2023

स्वमान - निश्चय बुद्धि विजयी आत्मा हूँ।
चिन्तन - बाप में, ड्रामा में, ब्राह्मण परिवार में कहाँ तक निश्चय है? निश्चयबुद्धि आत्मा की निशानियां क्या होंगी?
योगाभ्यास - ब्रह्मा बाप निश्चय के आधार से नम्बरवन बने। निश्चय बुद्धि आत्मा इस यज्ञ के किले का फाउण्डेशन बन, बापदादा को हाज़िरा-हज़ूर समझ उनकी छत्रछाया के नीचे सदा निश्चिन्त, विजयीपन के अनुभव में बैठकर योग अभ्यास करें।

10 जनवरी 2023

स्वमान - मैं खुशनसीब आत्मा हूँ।
चिन्तन - सर्व प्राप्ति सम्पन्न, खुशनुमा जीवन क्या है? सम्पन्नता की निशानियां क्या हैं?
योगाभ्यास - मैं आत्मा प्रत्यक्षफल के अधिकारी, सर्व शक्तियों से सम्पन्न, सर्व प्राप्तियों से भरपूर हूँ.. सदा इसी नशे में रहें कि बाप मिला तो सबकुछ मिला। अनुभव करें मेरे जैसा खुशनसीब कोई नहीं, मेरे द्वारा खुशी के वायब्रेशन चारों ओर फैल रहे हैं...।

11 जनवरी 2023

स्वमान - मैं बेफिक्र बादशाह हूँ।
चिन्तन - अपनी सर्व जिम्मेवारियां बाप को समर्पित की है? बेफिक्र स्थिति क्या है?
योगाभ्यास - बाबा ने मेरी सब जिम्मेवारी ले ली है। सर्व शक्तिवान बाप साथ है, उनकी सर्व शकतियां प्राप्त हैं। करावनहार की स्मृति से सदा बेफिक्र बादशाह की स्थिति का अनुभव करें.. इसी श्रेष्ठ स्थिति में बैठकर आत्माओं को चिंतामुक्त बनायें...।

12 जनवरी 2023

स्वमान - मैं कम्बाइण्ड स्वरूप हूँ।
चिन्तन - कम्बाइण्ड (लवलीन) स्थिति क्या है? उसकी अनुभूतियां क्या होंगी?
योगाभ्यास - जैसे आत्मा और शरीर कम्बाइण्ड है, ऐसे सदा अनुभव हो कि बाप के साथ मैं आत्मा कम्बाइण्ड हूँ। कम्बाइण्ड बन परमात्म प्यार में लवलीन स्थिति का अनुभव करें।

13 जनवरी 2023

स्वमान - मैं तख्तनशीन आत्मा हूँ।
चिन्तन - परमात्म दिलतख्तनशीन स्थिति क्या है? इस स्थिति में रहने से क्या-क्या प्राप्तियां होती हैं?
योगाभ्यास - भृकुटी के अकालतख्त पर विराजमान मैं स्वराज्य अधिकारी आत्मा हूँ... अपने स्थूल व सूक्ष्म कर्मेन्द्रियों की दरबार लगायें। बाबा के दिलतख्तनशीन, परमात्म प्यार के अधिकारी सो भविष्य राज्य तख्तनशीन आत्मा हूँ... इस स्मृति में बैठ योग अभ्यास करें।

14 जनवरी 2023

स्वमान - मैं त्रिकालदर्शी आत्मा हूँ।
चिन्तन - त्रिकालदर्शी स्थिति क्या है? इस स्थिति में रहने से हमारे संकल्प, बोल, कर्म कैसे होंगे?
योगाभ्यास - मैं श्रेष्ठ आत्मा हूँ... इस स्वमान में स्थित होकर हर संकल्प, बोल, कर्म करते हुए नॉलेजफुल, त्रिकालदर्शी की सीट पर सेट होकर अनुभव करें कि जो हो गया वो भी अच्छा, जो हो रहा है वह और अच्छा और जो होने वाला है वह बहुत अच्छा... इस स्मृति से उड़ती कला का अनुभव करें।

15-01-23 रविवार ओरिज्नल महावाक्य 18-11-93
होमवर्क - तीसरा सप्ताह

15 जनवरी 2023

स्वमान - मैं परमात्मा का राजदुलारा बच्चा हूँ...।

चिंतन - परमात्म दुलार क्या है? वह किसे प्राप्त होता है?

योगाभ्यास - सदा अपने अलौकिक जीवन के नशे में रहकर अनुभव करें कि मैं दिलाराम बाप का राजा बच्चा हूँ। कोटों में कोई महान भाग्यवान हूँ। संगमयुग की प्राप्तियों को इमर्ज कर परमात्मा के प्यार और दुलार के अनुभवों में मग्न हो जायें।

16 जनवरी 2023

स्वमान - मैं स्वराज्य अधिकारी हूँ...

चिंतन/चेकिंग - स्वराज्य की कारोबार में सभी कर्मचारी लॉ और आर्डर प्रमाण कार्य कर रहे हैं? कोई भी कर्मेन्द्रिय रूपी कर्मचारी धोखा तो नहीं देते हैं?

योगाभ्यास - मैं आत्मा राजा, मन-बुद्धि और संस्कारों सहित स्थूल कर्मेन्द्रियों की मालिक हूँ, स्वराज्य अधिकारी बन अपने भृकुटी आसन पर बैठ कर्मेन्द्रिय रूपी कर्मचारियों की दरबार लगायें और एक-एक कर्मचारी का हाल चाल पूछें...।

17 जनवरी 2023

स्वमान - मैं पवित्रता का समर्थ सम्राट हूँ...।

चिंतन - पवित्रता का संस्कार भविष्य संसार का फाउण्डेशन है, कैसे? पवित्रता की धारणा नेचुरल हो जाए उसकी विधि क्या है?

योगाभ्यास – मैं आत्मा मन-वचन-कर्म, सम्बन्ध-सम्पर्क में पवित्रता को सम्पूर्ण रूप से धारण करने वाली समर्थ सम्राट हूँ, अनुभव करें बाबा से पवित्र किरणें मुझ आत्मा पर पड़ते ही अपवित्रता के अंश-वंश समाप्त हो रहे हैं। मास्टर पवित्रता का सूर्य बन चारों तरफ पवित्रता के प्रकम्पन फैलाने की सेवा करें।

18 जनवरी 2023

स्वमान - मैं अतीन्द्रिय सुख की अनुभवी आत्मा हूँ...।

चिंतन - अतीन्द्रिय सुख की अनुभूति क्या है? उस सुख का अनुभव करने के लिए मुझे किन-किन बातों पर ध्यान देना आवश्यक है?

योगाभ्यास - इन्द्रिय सुखों से उपराम, सर्व प्राप्तियों से सम्पन्न बन सुख के सागर की किरणों के नीचे बैठ अतीन्द्रिय सुख का अनुभव करते हुए सुख के वायब्रेशन विश्व ग्लोब के ऊपर फैलाने का अभ्यास करें। अनुभव करें संसार से दु:ख, पीड़ा समाप्त हो रही है।

19 जनवरी 2023

स्वमान - मैं अखण्ड शान्तिमय राज्य की अधिकारी हूँ...।

चिंतन/चेकिंग - अशान्ति की परिस्थिति वा तूफान को तोहफा कैसे बनाया जा सकता है? क्या हमारे स्व-राज्य में अखण्ड शान्ति रहती है?

योगाभ्यास - मैं आत्मा अपने स्वधर्म में शान्त स्वरूप, शान्ति के सागर की सन्तान शान्तिधाम की निवासी हूँ...। हलचल में भी अचल-अडोल, अशान्ति के बीच शान्ति की अनुभूति करते हुए शान्ति सागर की किरणों के नीचे बैठ शान्ति की शीतल किरणें फैला रही हूँ....।

20 जनवरी 2023

स्वमान - मैं सन्तुष्टमणी आत्मा हूँ...।

चिंतन - हद की इच्छा मात्रम् अविद्या स्थिति क्या है?

योगाभ्यास - मैं आत्मा ज्ञान, गुण शक्तियों से सम्पन्न हूँ... सर्व प्राप्तियों से भरपूर हूँ.. हद की सर्व इच्छाओं से परे, सन्तुष्टमणि बन सन्तुष्टता की किरणें फैला रही हूँ... सन्तुष्टता का वायब्रेशन चारों तरफ वायुमण्डल में फैलाने का अभ्यास करें...।

21 जनवरी 2023

स्वमान - मैं सहजयोगी आत्मा हूँ...

चिंतन - सहजयोगी आत्मा की विशेषता क्या होंगी? किन-किन बातों का ध्यान रखने से सहजयोग का अनुभव होता है?

योगाभ्यास – मैं आत्मा बाबा के साथ कम्बाइन्ड हूँ... सदा आत्मिक स्मृति का तिलक लगा रहे और ''मेरा बाबा'' शब्द की स्मृति से सहजयोगी बन अभ्यास करें कि करनकरावनहार बाबा मेरे साथ है, बाबा से गुणों और शक्तियों की अनुभूति हो रही है...।

22-01-23 रविवार ओरिज्नल महावाक्य 25-11-93
होमवर्क - चौथा सप्ताह

22 जनवरी 2023

स्वमान - मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा हूँ...।

चिंतन/चेकिंग - क्या मैं आज व्यर्थ संकल्प, बोल और कर्म से मुक्त रहा? किन बातों पर ध्यान देने से व्यर्थ से मुक्त रह सकते हैं?

योगाभ्यास - मैं आत्मा ज्ञान के सागर में समाकर मास्टर ज्ञान सूर्य बन ज्ञान का प्रकाश चारों ओर फैला रहा हूँ... मेरे हर संकल्प बोल और कर्म समर्थ होते जा रहे हैं.. मेरे अन्दर से अज्ञान अंधकार समाप्त हो गया है... मैं ज्ञान स्वरूप बन गया हूँ...।

23 जनवरी 2023

स्वमान - मैं श्रेष्ठ संस्कार वाली आत्मा हूँ।

चिंतन/चेकिंग - अपने साधारण संस्कारों को परिवर्तन करने के लिए मुझे किन बातों पर ध्यान देना है? इसके लिए क्या विशेष पुरुषार्थ करना है?

योगाभ्यास - मैं दिव्य संस्कार वाली आत्मा हूँ, मेरे आदि अनादि संस्कार अति श्रेष्ठ हैं। वर्तमान समय हमारे जो भी साधारण संस्कार हैं, वह परमात्म संग के रंग में रंगने से दिव्य बनते जा रहे हैं...।

24 जनवरी 2023

स्वमान - मैं प्रकृतिजीत आत्मा हूँ।

चिंतन - प्रकृतिजीत आत्मा की निशानी क्या होगी? प्रकृतिजीत बनने की विधि क्या है?

योगाभ्यास - मैं प्रकृतिपति की संतान मास्टर प्रकृतिपति आत्मा प्रकृति के पांचों तत्वों को विशेष शान्ति की किरणें देकर शान्त कर रही हूँ... मुझ योगी पुरुषोत्तम आत्मा की साधना में प्रकृति के सभी साधन सहयोगी बनते जा रहे हैं...।

25 जनवरी 2023

स्वमान – मैं अशरीरी तपस्वी आत्मा हूँ।

चिंतन - अपने अशरीरी तपस्वी स्वरूप को धारण करने के लिए हम क्या पुरुषार्थ करें! किन बातों पर अटेन्शन रखें?

योगाभ्यास – मैं अशरीरी तपस्वी आत्मा हूँ... मेरे यादगार तपस्वी स्वरूप का भक्त लोग मन्दिर में विशेष गायन और पूजन कर रहे हैं... मैं तपस्वी आत्मा अपने ज्ञान के तीसरे नेत्र से संसार से तमोप्रधानता को समाप्त कर रहा हूँ....।

26 जनवरी 2023

स्वमान - मैं विकर्माजीत आत्मा हूँ...।

चिंतन - सर्व विकारों पर विजय प्राप्त करने की विधि क्या है? विकर्माजीत आत्मा की निशानियां क्या होंगी?

योगाभ्यास – मैं आत्मा अपने आदि अनादि स्वरूप में सम्पूर्ण पवित्र हूँ...मैं परमात्मा पिता की मदद से इन विकारों रूपी सर्पों पर विजय प्राप्त कर ली है। अब मैं इनके ऊपर खुशी की डांस कर रहा हूँ... जिससे संसार में खुशी की लहर फैल रही है...।

27 जनवरी 2023

स्वमान – मैं दर्शनीय मूर्त आत्मा हूँ...।

चिंतन – कौन सा पुरुषार्थ हमें दर्शनीय मूर्त बनायेगा? दर्शनीय मूर्त बनने के लिए किन बातों पर हमें अटेन्शन देना है?

योगाभ्यास – मैं आत्मा दर्शनीय मूर्त हूँ, अनेक भक्त कतार में खड़े होकर मेरे दर्शन करके सुख, शान्ति, प्रेम, आनंद की अनुभूति कर रहे हैं....। अपने पूज्य स्वरूप में बैठ मन्सा सकाश देने की सेवा करें...।

28 जनवरी 2023

स्वमान – मैं आत्मा सुख स्वरूप सुखदेव हूँ...।

चिंतन – सर्व आत्माओं को सुख कौन दे सकता है? क्या मैं ऐसा सुख स्वरूप बना हूँ जो मेरे द्वारा हर एक को सुख की अनुभूति हो।

योगाभ्यास – मैं सुख के सागर की सन्तान सुख स्वरूप, सुखदेव आत्मा हूँ... मेरे चारों ओर सुख की किरणें फैल रही हैं और सभी आत्मायें सुख से भरपूर होती जा रही हैं...।

29-01-23 रविवार ओरिज्नल महावाक्य 02-12-93

होमवर्क - पांचवां सप्ताह

29 जनवरी 2023

स्वमान – मैं अखण्ड महादानी हूँ...।

चिंतन – कार्यव्यवहार में रहते अखण्ड महादानी कैसे बनें? महादानी किसे कहा जाता है?

योगाभ्यास – मैं दाता का बच्चा अखण्ड महादानी हूँ... बाबा से सर्वशक्तियों की किरणें मुझ पर आ रही हैं व मुझसे ग्लोब पर पड़ रही हैं। अनेक आत्मायें स्वयं को शक्तिशाली अनुभव कर रही हैं..।

30 जनवरी 2023

स्वमान - मैं गुणमूर्त आत्मा हूँ...।

चिंतन - ब्राह्मण जीवन में गुणदान कैसे करें?

योगाभ्यास – मैं आत्मा बापदादा के साथ कम्बाइन्ड हूँ। बाबा से सर्व गुण व शक्तियों की रंग-बिरंगी किरणें मुझ पर पड़ रही हैं.. मैं आत्मा बाप समान गुणमूर्त बनकर सर्व को गुणों का दान कर रही हूँ...।

31 जनवरी 2023

स्वमान - मैं फरिश्ता सो देवता हूँ...

चिंतन - फरिश्ता स्थिति का अनुभव सदा कैसे हो?

योगाभ्यास – मैं फरिश्ता सो देवता बनने वाली आत्मा लाइट के शरीर में विराजमान हूँ। मुझ आत्मा से शक्तिशाली पवित्र किरणें चारों ओर फैल रही हैं, जो आत्माओं को कमजोरियों से मुक्त कर शक्तिशाली व निर्भय बना रही हैं...।

01 फरवरी 2023

स्वमान - मैं ज्ञान अर्जन करने वाली अर्जुन आत्मा हूँ..

चिंतन – स्वयं को प्रत्यक्ष प्रमाण कैसे बनायें अर्थात् सैम्पल कैसे बनें?

योगाभ्यास – मैं मस्तक में विराजमान मस्तकमणि हूँ। स्वयं के स्वरूप में स्थित हो स्वयं को देखें.. मैं ब्रह्मा बाप समान एक्जैम्पुल और सैम्पुल हूँ...इस ऊंचे स्वमान में स्थित हो योग अभ्यास करें।

02 फरवरी 2023

स्वमान - मैं ब्रह्मा बाप समान नम्बरवन आत्मा हूँ..

चिंतन – स्वयं को नम्बरवन कैसे बनायें? नम्बरवन आत्मा की क्या निशानियां होंगी?

योगाभ्यास – मैं देह में विराजमान देही हूँ। मैं दूसरों को न देख सदा बापदादा को देख रही हूँ, उनकी लाइट माइट से मैं आत्मा नम्बरवन बन रही हूँ और सदा सर्व को देने में बिजी हूँ...।

03 फरवरी 2023

स्वमान - मैं न्यारी व प्यारी आत्मा हूँ...।

चिंतन - हर परिस्थिति में सदा खुश कैसे रहें?

योगाभ्यास - मैं आत्मा सुखदाता की सन्तान मास्टर सुखदाता हूँ। सर्व शक्तियों से सम्पन्न हूँ। मुझ पर किसी भी प्रकार के दु:ख की लहर का प्रभाव नहीं पड़ सकता। मैं दु:ख के प्रभाव से मुक्त सुख स्वरूप हूँ व प्रभु की प्यारी हूँ... सुख के सागर में समा जायें...।

04 फरवरी 2023

स्वमान - मैं सर्व खजानों से भरपूर सम्पन्न आत्मा हूँ...।

चिंतन – अपने को सदा सम्पन्न कैसे बनायें? सम्पन्न आत्मा की निशानियां क्या होंगी?

योगाभ्यास – मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ... सर्व शक्तियों व गुणों की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं... मैं आत्मा सम्पन्नता, भरपूरता का अनुभव कर रही हूँ जिससे अचल अडोल स्थिति बनती जा रही है...।